अजब गजब

बेटी ढूंढ रही है मां के लिए दूल्हा

ट्विटर पर बेटी ढूंढ रही है मां के लिए दूल्हा.अपनी मां के लिए दूल्हा ढूंढ रही लड़की का एक अनोखा ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. ट्विटर पर लड़की की खूब तारीफ हो रही है. आस्था वर्मा ने अपने साथ मां की सेल्फी क्लिक की और ट्विटर पर अपलोड करते हुए लिखा, मेरी मां के लिए एक हैंडसम 50 वर्षीय व्यक्ति की तलाश में. वेजीटेरियन हो, शराब न पीता हो और सफल हो.जब आस्था वर्मा को मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का उपयोग करने का सुझाव दिया गया, तो उन्होंने कहा कि वो टिंडर से लेकर शादी डॉट कॉम तक सबकुछ आजमा चुकी हैं और असफल रहीं. उन्होंने ट्विटर पर लिखा, मैंने हर जगह आजमाया, लेकिन सफल नहीं हो पाई. मैंने लंबे समय तक हस्तक्षेप नहीं किया. लेकिन सोचा, उनकी खुशी के लिए मैं ढूंढ सकती हूं और वहां अपनी आवाज उठा सकती हूं, जहां लोग मेरी बात सुनें.रूढ़िवादी सोच को तोड़ता हुआ ये दिल छू लेने वाला पोस्ट वायरल हो गया है. उन्होंने ये ट्वीट 31 अक्टूबर को किया था. उनके इस ट्वीट पर अब तक 31 हजार लाइक्स और 7 हजार से ज्यादा रि-ट्वीट्स हो चुके हैं. लोग आस्था की खूब तारीफ कर रहे हैं. कुछ लोगों ने उनको शुभकामनाएं दीं तो किसी ने उनकी सराहना की।

अपनी जिंदगी

प्रतिज्ञा

फिर एक मकान के ध्वज पर राम नाम लिखा देखकर चौंककर खड़े हो गए। उन्होंने मन-ही-मन में सोचा - 'यह कैसा आश्चर्य, राक्षसों से भरी इस नगरी में कोई राम भक्त भी रहता है। चलकर उससे मिलूं, शायद माता सीता का कोई पता लग जाए.हनुमान जी उस घर में दाखिल हो गए। गृह स्वामी उन्हें देखकर चौंक उठा। वह रावण का छोटा भाई विभीषण था और भगवान राम की पूजा करता था। इसीलिए रावण ने उसे राजमहल से निकाल दिया था। विभीषण ने राजमहल से दूर अपना मकान बनाया था। हनुमान जी को देख विभीषण ने पूछा - तुम कौन हो वानर और यहां राक्षसों के शहर में क्या कर रहे हो और यहां आए कैसे? हनुमान जी ने कहा - भगवान राम के अनुचर को किसी भी जगह पहुंचने में कोई बाधा नहीं आती। मैं उनका एक मामूली सेवक हनुमान हूं। लेकिन आप कौन हैं जो राक्षसों से घिरे इस नगर में रहते हुए भी भगवान राम के पुजारी हैं? विभीषण बोला -मैं रावण का छोटा भाई विभीषण हूं। मेरे विचार उससे नहीं मिलते हैं। मैं राम की पूजा करता हूं और राक्षसों से घृणा। इसलिए रावण ने मुझे यहां से निकाल दिया है। तुम यहां किस प्रयोजन से आए हो? हनुमान जी ने कहा - माता सीता को खोजने के लिए। दुष्ट रावण ने उन्हें हरण करके यहीं कहीं छिपा रखा है। क्या आप जानते हैं कि रावण ने उन्हें कहां रखा हुआ है? विभीषण बोला - हां, रावण ने सीता को अशोक वाटिका में कैद कर रखा है? लेकिन तुम वहां कैसे पहुंचोगे? वहां तो बड़ी विकट राक्षसियां पहरा दे रही हैं। हनुमान जी ने कहा - आप मुझे जगह बता दीजिए। माता सीता से मिलना मेरा काम रहा। मैं उन राक्षसियों से भी बखूबी निपट लूंगा। विभीषण ने हनुमान जी को अशोक वाटिका का पता बता दिया। हनुमान जी अशोक वाटिका पहुंचे और अशोक वृक्ष के पेड़ों में छिपकर बैठ गए। नीचे माता सीता उदास बैठी थीं और उनके निकट विकराल आकृति वाली राक्षसियां बैठीं हुई, उन्हें डरा-धमका रही थीं। लेकिन माता सीता पर उनकी बातों का कोई असर नहीं हुआ। वे पूर्ववत दुखी मन से भगवान राम का स्मरण करती रहीं। अंत में राक्षसियां तंग आकर वहां से चली गईं। सीता की करुण पुकार सुनकर हनुमान जी से न रहा गया। उन्होंने श्रीराम की अंगूठी सीता की गोद में डाल दी। अंगूठी देखकर सीता आश्चर्यचकित रह गईं। तभी हनुमान जी ने वृक्ष से कूदकर सीता के सम्मुख खड़े होकर प्रणाम किया। फिर बोले - माते! यह अंगूठी मैं लाया हूं। मैं भगवान श्रीराम का सेवक हूं। मेरा नाम हनुमान है। सीता ने कहा - हनुमान, मैंने तो यह नाम पहले कभी नहीं सुना। सच बताओ, कहीं तुम दुष्ट रावण के भेजे हुए तो नहीं हो? हनुमान जी बोले - 'विश्वास कीजिए, मैं श्रीराम का ही सेवक हूं। श्रीराम ने मुझे आपको खोजने के लिए भेजा है। वे वानरों की बड़ी सेना के साथ समुद्र तट तक पहुंच चुके हैं। शीघ्र ही आप श्रीराम से मिल सकेंगी। सीता ने कहा - मुझे यकीन आ गया। लो ये चूड़ामणि ले जाओ, इसे भगवान राम को देकर कहना कि मैं यहां उनके बिना बहुत कष्ट में हूं। शीघ्र यहां पहुंचकर मुझे मुक्त कराएं हैं। हनुमान जी बोले - माते! क्या कुछ खाने के लिए मिल सकेगा? मुझे बड़े जोर की भूख लगी है। सीता ने कहा - खाना यहां कहां पवनपुत्र! राक्षस लोग तो मांस-मदिरा खाते हैं, जिन्हें छूना भी हमारे लिए पाप है। हां, कुछ फल जरूर रखे हैं। यह खा लो, शायद तुम्हारी भूख मिट सके।... 3

सोशल डिस्टेसिंग का सड़कों पर असर, कॉलोनी, बस्तियों में नहीं

सुबह से देर शाम तक जगह-जगह भीड़ नजर आती है, पुलिस कब तक दौड़े

आगरा। कोरोना वायरस के गम्भीर परिणाम दुनियां में नजर आ रहे है। देश में भी हर रोज मामले बढ रहे हैं। इससे बचने का मात्र एक ही उपाय है सोशल डिस्टेसिंग किन्तु इसका पूर्ण रूप से पालन नहीं किया जा रहा है जो एक बेहद खतरनाक है। सड़कों पर तो इसका पालन हो रहा है किन्तु कॉलोनियों, गली-मोहल्लों में लोग सोशल डिस्टेसिंग को लेकर कत्तई गम्भीर नहीं है। उन्हें इस बात की फिक्र नहीं है कि एक गलती पूरी बस्ती को महंगी पड सकती है। इसे लेकर उन्हें सचेत रहना होगा। लॉक डाउन चल रहा है, सड़कें वीरान है, पुलिस ने चहुंओर वैरियर लगा रखे हैं, जिससे आवाजाही पूरी तरह रोकी जाये। रोड पर भीड नियंत्रण के बाद अब पुलिस ने गली-मोहल्लों की ओर रूख कर लिया है। जहां भी भीड नजर आती है, वहां चीता मोबाइल पहुंच जाती है, पुलिस को आता देख भगदड मच जाती है।

लोग घरों में छिप जाते है, पुलिस बार-बार समझा रही है फिर भी लोग मानने को तैयार नहीं है। गुरूवार को पुलिस ने कई गली-मोहल्लों में भीड को दौडाया। यहां कुछ देर शांति नजर आई किन्तु पुलिस के जाने पर फिर से भीड जुट गई। ऐसे लोगों को समझने की जरूरत हैं कि लॉक डाउन का वह खुद पालन करें और सामने वाले को भी इसका पालन करायें। यदि हर कोई कंधे से कंधा मिला कर कोरोना वायरस की लडाई लडेगा तभी स्थिती सुधर सकती है वरना हालात भयावह होने में देर नहीं लगती। इसलिये शहरवासी अपनी जिम्मेदारी निभाएं और लॉक डाउन का अक्षरस पालन करें।

हैल्प आगरा हॉस्पीटल में मरीज चैकअप कराने पहुंचे। ---------------छाया: आज

घर में समय काटे नहीं कट रहा

आगरा। लॉक डाउन के कारण लोग घरों में लॉक हो चुके हैं। इससे उनका समय काटे नहीं कट रहा है। यही कारण है कि गली-मोहल्लों एवं कॉलोनियों के लोग शाम के समय गेट के बाहर बैठ जाते हैं और एक-दूसरे से बतिया कर समय पास करते है। यह हर ओर देखा जा रहा है। बच्चे सूनी सड़कों पर क्रिकेट खेलते नजर आते हैं। जब कभी चीता मोबाइल नजर आती है तो बच्चे भाग कर घरों में छिप जाते है। युवा और बुजुर्ग परेशान है।

उनका कहना है कि आखिर कब तक घर में रहें। समय काटे नहीं कट रहा है, गृहणियां खुश हैं। उन्हें परिवार के बीच बैठने का मौका मिला है।

अक्सर गृहणियों की एक ही शिकायत रहती है कि परिवार संग बैठने का मौका मिलता ही नहीं है, बच्चे सुबह स्कूल, शाम को कोचिंग, पति सर्विस पर, सास-श्वसुर अपने-अपने पूजा, पाठ या अन्य कार्यो में व्यस्थ रहते हैं। अब लॉक डाउन ने एक साथ परिवार संग बैठने को मौका दिया है। युवा दिन भर मोबाइल से चिपके रहते हैं तो पति-पत्नी और सास, श्वसुर टीवी से चिपके रहते हैं। बच्चे आपस में खेल-खेल में समय व्यतीत कर रहे हैं।

मोतीगंज में पफुटकर दुकानदारों के पास बनाते। छाया: आज

प्रधानपति की कोरोना वायरस से लड़ने की अनौखी पहल

गांव बमरोली कटारा को सेनेटाइज किया

आसपास के गांवों को भी सेनेटाइज करने में जुटे, हर किसी ने उनके कार्य को सराहा, ट्रैक्टर के पीछे जुगाड़ से उपकरण फिट किया

आगरा। कोरोना वायरस एक महामारी है, यह कोई जाति-धर्म और अमीर-गरीब को नहीं देखता है। यदि एक व्यक्ति इसकी चपेट में आ गया तो हजारों लोगों के संक्रमित होने का खतरा बना रहता है। इससे बचने के लिये अब गांवों में भी जागरूकता आ चुकी है, शहरी लोग गांव पहुंच रहे हैं, इसलिये अब यहां भी खतरा मंडराने लगा है। गांव बमरोली कटारा के प्रधानपति ने गांव को सेनेटाइज करने का एक अनौखा तरीका निकाला है। उन्हें टैज्क्टर के पीछे खेतों में दवा छिड़कने वाला यंत्र फिट किया है।

जिस तरह किसान लोग आलू एवं गेहूं की फसल में मशीन से दवा का छिड़काव करते हैं। उसी तरह से सेनेटाइज करने का तरीका निकाला है, इसके लिये पानी में कीटनाशक दवा मिला कर घोल तैयार किया गया है। टैज्क्टर में लगे उपकरण में करीब 500 मीटर लम्बा पाइप फिट किया गया है। जब टैज्क्टर को स्टार्ट किया जाता है तो इसमें फिट उपकरण प्रेशर के साथ दवा का छिडकाव शुरू कर देता है, इसी छिड़काव से समूचे बमरोली कटारा गांव को बीते रोज सेनेटाइज किया गया। ग्राम पति की जुगाड से गांव वाले प्रभावित है, गांव को सेनेटाइज होता देख आसपास के गांवों से भी मांग होने लगी है कि उनके गांवों को सेनेटाइज किया जाये।

प्रधानपति हर रोज सुबह से देर शाम तक गांवों को सेनेटाइज करने में जुटे है, इस कार्य में उनका परिवार भी हाथ बटा रहा है। इससे गांव वाले खुश हैं, ग्रामीणों को कहना है कि कोरोना वायरस से हमे डरने की नहीं, इससे लडने की जरूरत है। अब वायरस को गांवों में नहीं घुसने दिया जायेगा, हर गांव को इसी मशीन से सेनेटाइज किया जायेगा। टैज्क्टर के पीछे जिस उपकरण को फिट कर जुगाड से तैयार किया गया है, वह काबिले तारीफ है।

सबसे अच्छी बात यह है कि टैज्क्टर को इधर उधर ले जाने की जरूरत नहीं है, इसे किसी भी गांव में एक सिान पर खडा कर समूचे गांव को सेनेटाइज किया जा सकता है, इसमें काफी लम्बी केबिल फिट की गई है, जो करीब 500 मीटर का एरिया कबर करती है, इसी से सेनेटाइज किया जाता है।

सब्जी-फल वाले मनमानी रेट पर बेच रहे

आगरा। लॉक डाउन के दौरान हर कोई सब्जी, फल आदि को लेकर परेशान है। ठेल-ढकेल वाले मनमानी रेट पर माल को बेच रहे है। इससे लोग परेशान है, सब्जी-फल महंगे होने पर इसकी खरीदारी भी सीमित रह गई है। सब्जियों के रेट में दस से बीस रुपए का उछाल आया है। यही हाल फलों का है, जबकि इसके रेट तय कर दिये है फिर भी ठेल-ढकेल वाले मनामनी रेट पर बचे रहे है। इस पर अंकुश लगना चाहिये, जिससे लोगों तक उचित रेट में सब्जी एवं फलों की आपूर्ति की जा सके। लॉक डाउन का दूसरा दिन है, अभी तो 19 दिन शेष है।

लोगों का कहना है कि यदि यही हाल रहा तो आने वाले 19 दिन कैसे कटेंगे। हांलाकि प्रशासन ने हर क्षेत्र में सब्जी-फल बेचने की उचित व्यवस्था की है किन्तु बिक्रेता मनमानी कर रहे है। क्षेत्रीय पार्षद भी घर से बाहर नहीं निकल रहे हैं, हांलाकि उन्हें इसकी जिम्मेदारी मेयर नवीन जैन ने दी है कि वह अपने-अपने वार्ड में आवश्यक आवश्यकता की आपूर्ति सुनिश्चित करायें, किन्तु कोरोना वायरस के डर से पार्षद लॉक डाउन में है, उन्हें तो घर से निकलन चाहिये, यह उनका कर्तव्य बनता है। कोरोना से बचने को सावधानी बरती जाये, इससे डरने की जरूरत नहीं है।

एत्मादपुर में गली-मोहल्लों में कीटनाशक दवा छिड़कते कर्मचारी। ---------छाया: आज

नवरात्र में पूजा पाठ सिमट गया

आगरा। नवरात्र में घर-घर मां शक्ति की आराधना की जाती रही है। इस बार लॉक डाउन के कारण पूजा-पाठ पूरी तरह सिमट कर रह गया है। शहर से देहात तक के मंदिर बंद हैं, यहां कुछ देर के लिये पुजारी आते हैं और पूजा-पाठ कर पट बंद कर चले जाते हैं। नवरात्र में हजारों लोग ब्रत रखते हैं किन्तु इस बार कोरोना वायरस ने सबकुछ ध्वस्त कर दिया है। लोग डर के कारण फल आदि भी नहीं खरीद रहे हैं, हालात यह हैं कि सब्जियां घरों में नमक के पानी में साफ कर प्रयोग की जा रही हैं। लोग घरों में ही सुबह-शाम मां शक्ति को याद कर रहे हैं, पूजा-पाठ के दौरान जो उत्साह देखा जाता है, वह पूरी तरह से गायब है। एनवक्त पर लॉक डाउन के कारण मां की पूजा-पाठ की सामिग्री भी नहीं खरीद सके, इससे भक्तजन मायूस है।

अष्टमी और नवमी को कन्या-लांगुर जीमते हैं। इस बार बच्चे लॉक डाउन के कारण बाहर नहीं निकलेंगे। इससे मां शक्ति के भक्तजन मायूस हैं। हर कोई मां से यही प्रार्थना कर रहा है कि कोरोना वायरस रूपी राक्षस का मां वध करे, जिससे हर को सुरक्षित रहे।

एत्मादपुरः गली-मोहल्लों में कीटनाशक दवा का छिड़काव

एत्मादपुर। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को लेकर नगर चेयरमैन द्वारा विशेष कार्यक्रम नगर में किए जा रहे हैं उनमें से एक नगर चेयरमैन ने जनता का विशेष ध्यान रखते हुए गली - गली मोहल्लों, सड़कों, बाजारों, नालियों ,खरंजा इत्यादि जगहों पर मशीनों द्वारा दवाई का छिड़काव कराया गया।

साथ ही नगर चेयरमैन राकेश बघेल ने फोग मशीन द्वारा देर शाम होते ही छिड़काव की मशीन चलबायी । यह छिड़काव नगर पालिका के कर्मचारी द्वारा मशीन से नगर में किया गया। मशीन नगर में होती हुई हर मोहल्ले एवं मेंन बाजार में फोग करती हुई नगर के कोने-कोने पहुंची। साथ ही पालिकाध्यक्ष के निदेर्शो द्वारा सफाई कर्मियों को विशेष निदेर्शो का पालन करने के लिए कहा गया है कि वे नगर के चप्पे-चप्पे पर साफ सफाई का विशेष ध्यान रखेंगे व अपनी ड्यूटी अनुसार समय-समय पर नगर की गलियां सड़कों की सफाई करेंगे ।किसी भी जगह गंदगी ना हो पाए इस पर विशेष ध्यान रखेंगे।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए. द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल — 27 मार्च 2020

मेष-	परिवार में हर्षोल्लास, मन प्रसन्न, अर्थ पक्ष में सफलता, सम्पर्क का सुपरिणाम, सुसंदेश।
वृषभ-	प्रगति में बाधा, व्यय की अधिकता, व्यवसाय में असफलता, निर्णय अहितकर, धनहानि।
मिथुन-	कार्यों में अनुकूलता, परिजन सहायक, विवाद हल, वाहन-सुख, योजना फलीभूत।
कर्क-	व्यावसायिक सफलता, विवाद हल, परिवार में खुशी, मानसिक राहत, लाभ भी।
सिंह-	उन्नति का अवसर, साहसिक प्रयास, मित्रों से सहयोग, मनप्रसन्न, प्रतिष्ठा में वृद्धि।
कन्या-	लाभ में कमी, मानसिक बेचैनी, जोखिम से नुकसान, प्रियजनों से कष्ट, हानि भी।
तुला-	अनुकूल घटना घटित, पदोन्नति, कार्यों में प्रगति, शत्रु परास्त, कर्ज की अदायगी।
वृश्चिक-	व्यापार में धन निवेश, शत्रु परास्त, समस्या हल, कर्ज अदायगी, दाम्पत्य जीवन सुखद।
धनु-	नवयोजना साकार, वातावरण अनुकूल, मानसिक राहत, आपसी सौहार्द,मन खुश।
मकर-	स्वास्थ्य प्रतिकूल, उपलब्धि में विलम्ब, धनहानि की आशंका, व्यय की अधिकता।
कुम्भ-	नवयोजना फलीभूत, विवाद हल, हर्षोल्लास का माहौल, उन्नति का प्रयास, वृद्धि का विकास।
मीन-	महत्वपूर्ण उपलब्धि, शत्रु परास्त, क्रमिक सुधार, नौकरी में प्रोन्नति, मनोबल में वृद्धि।

आज है जिनका जन्मदिन — 27 मार्च

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 27 का मूलांक 9 का स्वामी ग्रह मंगल एवं माह का अधिपति ग्रह वृहस्पति है। आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली तथा दृढ़ता व साहस का प्रतीक होगा। किसी के दबाव में न तो रहेंगे और न ही कार्य करेंगे। जोखिम भरे कार्यों को करना अधिक पसन्द करेंगे। आपके विचारों में उग्रता का समावेश रहेगा। जिम्मेदारियों के प्रति सतर्क रहेंगे। आपके साथ किस समय क्या घटित हो जाए यह निश्चित नहीं रहेगा। बाहरी आडम्बरों में ज्यादा रुचि लेंगे। जीवन में बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। उच्च आदर्शों के लिए जियेंगे। आपके जीवन में भौतिक सुख सुविधा का अभाव रहेगा। अत्यधिक उतावलापन प्रमुख कमजोरी होगी। कलात्मक कृत्यों-आधुनिकता व संगीत प्रेमी होंगे। अपने इष्ट देवी-देवता की अर्चना करें। दैनिक जीवन में लाल एवं नारंगी रंग का प्रयोग अधिक करें। सदाचार का पालन सदैव करें।

आपके लिए शुभ

मन्त्र	: ॐ अं अंगारकाय नमः	मास	: फरवरी, जून एवं नवम्बर
व्रत	: मंगलवार	वर्ष	: 9, 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72
दिन	: सोमवार, मंगलवार एवं गुरुवार	रंग	: लाल एवं नारंगी
दिनांक	: 9, 18, 27	रत्न	: मूंगा उपरत्न : लाल अकीक
अंक	: 1, 3, 6	जड़ी	: अनन्त मूल की जड़

वर्ष का महत्वपूर्ण समय—15 मार्च से 14 अप्रैल, 31 अक्टूबर से 14 नवम्बर

यन्त्र

8	3	10
9	7	5
4	11	6

विमल जैन फलित व अंक ज्योतिषवेत्ता, रत्न परामर्शदाता।
वरदान भवन, टैगोर टाऊन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी
09335414722

सुडोकू 167

				9		3	6	
5	4			7				
	2					4		
3			2		6		5	9
				4				
8		9	3	1				7
						9		
			1					8
1	5		4			7		

तरीका खेलने का: दिमागी खेल और नम्बरों की पहेली है। तर्क से इसे हल कर सकते हैं। ऊपर नौ-नौ खानों के नौ खाने दिए गए हैं। आपको 1 से 9 की संख्याएं इस तरह लिखनी हैं कि खड़ी और पड़ी लाइनों के हरेक खाने में 1 से 9 की सभी संख्याएं आएं। साथ ही 3x3 के हरेक बक्से में भी 1 से 9 तक की संख्याएं हों। पहेली का हल हम कल देंगे।

हल: सुडोकू 166

9	7	2	1	5	4	3	8	6
3	5	1	7	8	6	2	9	4
4	6	8	9	2	3	5	1	7
1	4	9	5	3	8	6	7	2
6	2	3	4	7	1	8	5	9
5	8	7	6	9	2	4	3	1
7	3	4	2	1	5	9	6	8
2	1	5	8	6	9	7	4	3
8	9	6	3	4	7	1	2	5